



बहुत कम लोग साल में दो या तीन बार से ज्यादा सोचते हैं। मैंने हप्ते में एक या दो बार सोचकर अंतरसार्ट्रीय ख्याति अर्जित की है।

-जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

शहर में आज

- कैसरगढ़ में गांधी भवन प्रेक्षण में श्री भृगुहमण सभा की ओर से मध्याह्नी छात्र समान समारोह का आयोजन दोपहर 2:00 बजे से।
- दीपाली अवधी बाई महिला विकासालय से विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा कर्पोरे पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत 9:45 बजे।
- संयोग गांधी पीजीआई संस्थान के श्रुति प्रेसगृह में संस्थान के लिए लोगों के 42 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रथ्यापान दिवस समारोह का आयोजन 11:00 बजे।

सिटी ब्राफ

राष्ट्रीय लोक अदालत में 348730 वाद निस्तारित वसूले 51.16 करोड़

अमृत विचार, लखनऊः राजधानी में शैनिवार को प्रशासनिक न्यायालयीं राजेश विहार ने सुबह 10:30 बजे पुराना उच्च न्यायालय में दोपहर अंतर्वार्षिक संस्थान के लिए प्रायोगिक विभाग द्वारा दोपहर 15 दिसंबर तक सभी शेल्टर होम लोगों के लिए शुरू हो जाएंगे।

इन शेल्टर होम में गोपनीय मजदूर, अस्थायी और निराश्रित लोग निःशुल्क रात गुजार सकेंगे। शेल्टर होम में बेड, गहने, कब्जल, पेयजल और आस-पास शैचालय की व्यवस्था रहेगी। 15 दिसंबर तक सभी शेल्टर होम लोगों के लिए शुरू हो जाएंगे।

दो दिन में तैयार हो जाएंगे 40 अस्थाई शेल्टर होम, काम शुरू

नगर निगम के शेल्टर होम जल्दी मंदों को देंगे ठंड से राहत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 15 से शेल्टर होम में गोपनीय मजदूर, अस्थायी और निराश्रित गुजार सकेंगे: शुल्क रात
- परिवर्तन चौक, 1090 चौराहा, शनि मंदिर, गोमती नगर सहित प्रमुख चौराहों के आस-पास बन रहे शेल्टर होम

ओस और हवा का नहीं होगा असर

- नगर निगम के खुले में बन रहे इन शेल्टर होम में ओस और हवा का असर नहीं होगा। छत से लेकर शेल्टर होम चारों ओर से कवर रहेगा। जिससे हवा अंदर न जा सके। इसमें केवल एक ही प्रवेश दर्वाजा। शीत लहर और अत्यधिक ठंड के समय शेल्टर होम के बाहर अलावा भी जला जाएगा। नगर निगम का मार्ग प्रकाश विभाग इन शेल्टर होम लाइटिंग और ठंड से बचाव के लिए हाईटर और ल्योवर लगा रहा है।
- परिवर्तन चौक, 1090 चौराहा और गोमती नगर के कई स्थानों पर शेल्टर होम बनाए जा रहे हैं। 15 दिसंबर तक ये जल्दी मंदों को लिए खुल जाएंगे। इनमें काई भी व्यवसंहार गुजार सकती है।
- अतुल मिश्रा, नगर अधिकारी जौन 4, लखनऊ नगर निगम



परिवर्तन चौक में बनाया गया रेन बर्सेरा।

अमृत विचार

ई-रिक्शे से ले गए शव, तमाशबीन खड़े रहे सुरक्षागार्ड और कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• बेहोश होने पर लारी कॉर्डियोलोजी लाया गया था युवक, डाक्टरों ने किया मृत घोषित



ई-रिक्शे में शव रखते हुए परिजन।

बलरामपुर डफरिन अस्पताल, केजीएमयू, ट्रामा सेंटर, लॉरी कार्डियॉलोजी के बाहर दिनभर यातायात अराजकता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : यूं तो शायद ही राजधानी का कोई प्रमुख मार्ग या चौराहा ऐसा हो जहां जाम और यातायात अराजकता देखने को न मिले। लेकिन जरा सोचिए जब अस्पतालों

- केजीएमयू के बाहर के बाहर मनबद्ध ई-रिक्शा जाम

लगा हो और उसमें गंभीर मरीजों को लेकर आ रही एंबुलेंस फंसी हो यातायात व्यवस्था पर सवाल उठाना लाजिमी है। बात बलरामपुर अस्पताल, केजीएमयू, ट्रामा सेंटर, लॉरी कार्डियॉलोजी के बाहर सवारी लेने की होड़ में ई-रिक्शा की मनमानी और अतिक्रमण से रोज लंबी दूरी तक चाला जाम की है। जिसमें सायरन बजाती एंबुलेंस रोज ही रास्ता मांगती दिखती है। चाहे वह प्रसव पीड़ा से जूझ रही प्रसूताएं हों या फिर ट्रामा रेस्टर और लॉरी कार्डियॉलोजी के बाहर गीर्धी मरीजों को लेकर जाम में फंसी एंबुलेंस।



बलरामपुर विकित्सालय के समक्ष लगा जाम।



केजीएमयू के ट्रामा सेंटर के समक्ष रोड पर खड़े वाहनों के बीच फंसी एंबुलेंस।

बलरामपुर-डफरिन अस्पताल के बाहर

- दृश्य 1 यहां जाम का नजारा आम है। बलरामपुर अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने से ही रोडवेज बसों की आवाहनी जारी है। अस्पताल के मुख्य गेट को ढाके हैं। विकाश साधा बीच में ही आड़े-तिँचे खड़े हैं। टैपे चालक भी सवारी ढूँढ़ रहे हैं। तहिनी अस्पताल डफरिन अस्पताल की ओर जाने वाले मार्ग पर ई-रिक्शा की मनमानी जारी है। पीछे से आ रही एंबुलेंस इसी अराजकता के बीच फंसी हुई है। एंबुलेंस चालक के सायरन पर भी ई-रिक्शा चालक सुनने को तेवर नहीं है। इसमें कई मरीज प्रसव पीड़ा से जूझ रही प्रसूताएं हों या फिर ट्रामा रेस्टर और लॉरी कार्डियॉलोजी के बाहर गीर्धी मरीजों को लेकर जाम में फंसी एंबुलेंस।

दृश्य 2 केजीएमयू चौराहे पर ई-रिक्शा चालकों की मनमानी इस कर्दर है कि केजीएमयू में गेट के बाहर ही दूर तक ई-रिक्शा खड़ा कर सवारी लेने के लिए हाका लगा रहे हैं। तहिनी अस्पताल डफरिन अस्पताल की ओर जाने वाले मार्ग पर ई-रिक्शा की मनमानी जारी है। पीछे से आ रही एंबुलेंस इसी अराजकता के बीच फंसी हुई है। एंबुलेंस चालक के सायरन पर भी ई-रिक्शा चालक सुनने को तेवर नहीं है। लेकिन कई मरीज प्रसव पीड़ा से जूझ रही प्रसूताएं हों या फिर ट्रामा रेस्टर और लॉरी कार्डियॉलोजी के बाहर गीर्धी मरीजों को लेकर जाम में फंसी एंबुलेंस।

केजीएमयू और ट्रामा सेंटर

- दृश्य 2 केजीएमयू चौराहे पर ई-रिक्शा चालकों की मनमानी इस कर्दर है कि केजीएमयू में गेट के बाहर ही दूर तक ई-रिक्शा खड़ा कर सवारी लेने के लिए हाका लगा रहे हैं। तहिनी अस्पताल डफरिन अस्पताल की ओर जाने वाले मार्ग पर ई-रिक्शा की मनमानी जारी है। लेकिन ई-रिक्शा, टैपे चालकों और अस्थायी अतिक्रमण करने वाले टेंडों पर चल रही ड्रूकों और उसके बाहर खड़े वाहनों ने समर्थन की बात नहीं रखा। टैपे चालक से एंबुलेंस चालक वाहनों को लेकर जाम में फंसी रहती है। एंबर जाम रहता है। गंधीर मरीज को लेकर ट्रामा आ रही एंबुलेंस कई मिनट तक इसी जाम में फंसी रहती है। ट्रामा गेट, शताब्दी अस्पताल, साकियांद्रिक विभाग, लारी कार्डियॉलोजी विभाग के बाहर तक मरीजों की आवाजाही मुश्किल रहती है।

केजीएमयू के बाहर तक मरीजों की आवाजाही मुश्किल रहती है।

केजीएमयू के दाऊदनगर का रहना वाला विनोद कश्यप (30)

सीतापुर रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी में काम करते समय घबराहट के बाद बेहोश हुआ युवक, केजीएमयू के लारी कार्डियॉलोजी की इमरजेंसी में मृत घोषित कर दिया गया। परिजन शव को ई-रिक्शे से लेकर घर चले गए। पास में लारी में तैनात सुरक्षागार्ड और अन्य कर्मचारी तमाशबीन बने रहे। किसी ने पीड़ित परिवार को शव वाहन मुर्दा यारा कराई दिया। मामले का एक वीडियो भी वायरल हुआ है।

फैजुल्लाहाज ने बाहर तक रहते हुए परिजन।

विनोद को बेचैनी होने पर वह जमीन पर बैठ गया था। थोड़ी देर बाद अनेक हो गया। ई-रिक्शे से उसे पास के निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां इमरजेंसी में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित कर दिया। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का कहना है कि जांच कराई जाएगी, जो भी कर्मचारी दोषी होगा उसके विरुद्ध कर्मचारी दोषी होगा।

विनोद के साथियों के मूलताकि केजीएमयू के बाहर तक रहते हुए परिजन।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

•

- केजीएमयू प्रशासन ने की अस्थायी रैन बर्सेरे की व्यवस्था



सीतापुर-डफरिन अस्पताल के बाहर

यहां जाम का नजारा आम है।

इस स्थिति को देखते हुए ट्रामा सेंटर में जामीनी और रेस्टरेंसी के लिए एंबुलेंस फंसी हो रही है। इसमें एंबुलेंस ने जामीनी को अनुरोध किया है।

निर्माण कार्य के चलते ट्रामा सेंटर

के सामने बना अस्थायी रैन बर्सेरे को देखते हुए गया। जिससे तीमारदारों के लिए एंबुलेंस फंसी हो रही है।

स्टीटी ब्रीफ

पीजीआई के 42 वर्ष पूरे

स्थापना दिवस आज

अमृत विचार, पीजीआई : संक्षय गांधी

पीजीआई संस्थान रंगिन को अपनी

स्थापना के 42 वर्ष पूर्ण होने के अवसर

पर खण्डन दिवस समारोह आयोजित

करेगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे

से संस्थान के श्रृंगे प्रेषण में होगा,

जिसमें उम्मीदवारों द्वारा पाठ मुख्य

अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्य

के विकास शिक्षा मंत्री मध्येरेश

शरण सिंह समारोह में विशिष्ट अतिथि

होंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर

राज्यीय विकास आयोग, इंडिली

के अध्यक्ष डॉ. अभिजन चंद्रकात

शेष विशेष यात्राना प्रस्तुत करेंगे।

संस्थान के निदेशक प्रो.

आरक धीमन

पीजीआई की अब तक की शैक्षणिक

प्राप्ति, शीख उपलब्धियों और विकित्सा

सेवाओं की जानकारी साझा करेंगे।

डीन प्रो. शालीन कुमार भी समारोह

को संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम की दौरान स

संस्थान की ओर से ऑनलाइन फीस

भुगतान से जुड़े नए सॉफ्टवेर का

सॉफ्ट लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ

ही 'पॉस्ट-इमरजेंसी अल्टर्नेटर

गाइड' नामक प्रस्तुत का क्रियोन

भी किया जाएगा। यात्रा वेहर से उत्कृष्ट

योगदान के लिए फैक्टरी सदस्यों

रेजिस्टर्ड विकिसक्सों और पेरामेडिकल

कर्मियों को समानित किया जाएगा।

गेस्ट्रोमेडिसिन विभाग

में बेड होंगे दोगुने

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज

विश्वविद्यालय के बेड दोगुने

किए जा रहे हैं। तात्पर्य में 20 बेड की

जगह अब 40 बेड उपलब्ध होंगे। साथ

ही विभाग में तीन से पांच आईसीयू-

वेंटिलेटर बेड भी नाम साल से शुरू होंगे,

जिससे गधीर पेर रोगों के मरीजों को

बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी।

केंजीएम्प्यू के शताब्दी भवन के छठे तल

पर संचालित विभाग में प्रदेश भवर से

मरीज आते हैं। राजगां 400 से 500

मरीज आपीडी में आते हैं, जिसके बारे

में अधिकांश बेड भरे रहते हैं। विभाग में

पांच डॉकर तैनात हैं, जिनमें बेंड पर

नियुक्त विकिसक्स की शामिल हैं।

विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुमित रांगता

सभव होगा। विभाग में एंडोर्कोपी,

कोलोनोरॉकोपी सहित सभी जरूरी

जांच विशेषण होले से मोजद हैं।

केंजीएम्प्यू प्रवर्तन डॉ. केंजे रिंग ने

तथा किया जाएगा। योग्यता विभाग के बेहतर इलाज

सभव होगा। विभाग में एंडोर्कोपी,

कोलोनोरॉकोपी सहित सभी जरूरी

जांच विशेषण होले से मोजद हैं।

केंजीएम्प्यू प्रवर्तन डॉ. केंजे रिंग ने

तथा किया जाएगा। योग्यता विभाग के

सुपर रेंजिस्टरिंग विभाग में इस्टर्माल

किया जाएगा।

पहुंची दिल्ली तक

अमृत विचार, पीजीआई : नीर्मिंग

कर्मियों के अधिकार, समान और

भविष्य की सुरक्षा को लेकर ऑल

इंडिया रिजिस्टर्ड नर्सें फेडरेशन

(एआईआरएफएफ) के प्रार्थितिमिडल

ने केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री से

मुलाकात कर अपनी प्रमुख मार्ग रखी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरज गुप्ता के नेतृत्व

में प्रतिनिधित्व द्वारा रेस्टर्ड नर्सें

सिंह से थैंक नर्सें जेरून करेंगे।

पहुंची दिल्ली तक

अमृत विचार, पीजीआई : नीर्मिंग

कर्मियों के अधिकार, समान और

भविष्य की सुरक्षा को लेकर ऑल

इंडिया रिजिस्टर्ड नर्सें फेडरेशन

(एआईआरएफएफ)

के केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

के गीतों पर आधारित होती है। उन्होंने

विधायिका अटल बिहारी वाजपेयी

